Ajay T. G. interviewed on November 10th 2002

M: Ajay we'll talk first of all about the film 'Journey'. You're cameraman on Rita's five minutes family film 'Papa says.....,' but you ended up as co-director of Rita's longer film - 'The Journey'

A: ये हमारी ट्रेनिंग की लगभग शुरूआत की फिल्म थी । इसके लिए हम रीता के घर गए । उनके परिवार के लोग पहले इसके लिए तैयार नहीं थे । फिर हमने मिल बैठकर इस संबंध में चर्चा की । हमें कुछ ऐसी बातें पता चली जो पहले रीता को भी नहीं मालूम थी। हमने फिल्म शूट की और जैसे जैसे हम आगे बढ़ते गए, मुझे लगता गया कि इसमें से कुछ और अच्छा निकल सकता है । मैंने इसे संपादन के समय एक दिशा देने की कोशिश की। कुछ और शूटिंग भी की ।

M: How did Rita react your direction?

A: रीता ने खुद कभी कोई शिकायत नहीं की लेकिन मैंने दूसरों से सुना कि वह घबराई हुई है, कि उसके घर की बहुत सी निजी बातें लोगों के सामने जा रही है। उसे फिल्म के संपादन का मौका दिया गया तो वह इसमें बगैर किसी वजह के देर करती गई।उसने कभी सीधे मुझसे नहीं कहा कि उसे कोई बात पसंद नहीं और वह यह फिल्म नहीं करना चाहती। मगर मुझे लगा कि फिल्म जब पूरी बन गई तो वह उससे खुश थी।उसके जन्म के बारे में, उसकी बहन के बारे में फिल्म में जो बातें कही गई, ऐसी कुछ बातों को छोड़,फिल्म में जो बातें कही गई, ऐसी कुछ बातों को छोड़, फिल्म से वह खुश थी । जब उसे लगा कि लोग इसे पसंद कर रहे हैं तो शायद उसका नजरिया भी बदल गया ।

M: How far do you think the film actually reflects what is going on her family?

A: मैं तो चाहता था कि परिवार के बारें में सारी चीजें फिल्म में आ जाएँ लेकिन लगता है कि बहुत सी बातों को हम इसमें नहीं ले पाए। मसलन उसके भाई का इंटरव्यू हम अंत तक नहीं ले पाए। परिवार में एक तनाव है जो फिल्म में दिखाई नहीं देता ।

M: Sunil reacted very negatively to the film when it was shown in Gottingen, he said that it's wrong to expose family's private affairs and he objected to that, what do you think about?

A: मेरे लिए यह फिल्म रीता के पिता के जीवन की कहानी नहीं है । मेरे लिए यह समाज का आईना है । इस फिल्म को बनाते समय बराबर मेरे मन में यह बात रही कि समाज में औरतों के खिलाफ जो भावना है उसे मैं चित्रित करूँ । इस फिल्म में एक घर की निजी बातों को दिखाए बगैर में कैसे अपना यह उद्देश्य पूरा कर सकता था ।

M: Has the family seen it? You said Rita is now quite happy with it herself. But has the family seen it and if so what they feel about it?

A: रीता के घर वालों ने यह फिल्म नहीं देखी इसलिए मैं बता नहीं सकता कि उनकी इस के बारे में क्या राय हैं ।

M: There were couple of times they were invited but they never came?

A: मैं खुद उसके परिवार के साथ बैठकर फिल्म देखना चाहता था । मैं उसके परिवार के साथ इतना घुल मिल गया था । मुझे नहीं लगता कि उसके पिताजी इस फिल्म को देखकर नाराज होंगे।

M: Do you feel there were deliberate avoidance to showing it to them?
A: हो सकता है, क्योंकि एक दिन हम लोगों ने शो रखा था । रीता ने बताया कि उसने अपने माता - पिता को आमंत्रित ही नहीं किया है । वे लोग आए भी नहीं। उसने कहा कि उसने सिर्फ अपनी बहन को आमंत्रित किया है।

M: How well do you think, how do you feel about you generally now you finished it?
A: मैं इस फिल्म से संतुष्ट हु मैं इसके माध्यम से जो बात कहना चाहता था वह कह पाया। बहुत अच्छा नहीं कर पाया इसका दुख है लेकिन फिर भी वह बात कह पाया जो कहना चाहता था ।

M: Now we'll talk about letters and learning; how did the idea for this film evolved?
A: मैं चाहता था मंगतू पर एक फिल्म, जॉनी के रिसर्च के बारे में बनाऍं 1 मंगतू को मैं सन् 92 से जानता हूँ । उसके व्यक्तिव्य के कई पहलू हैं । उसके जीवन के बहुत से दिलचस्प प्रसंग मुझे मालूम हैं। सबको लेकर फिल्म बनाना बहुत कठिन होता सो हमने तय किया कि हम किसी एक पहलू पर फिल्म बनाऍं। इसके लिए हमने उसकी शिक्षा को चुना। मंगतू एक हुनरमंद आदमी है, कामयाब इंसान है, अच्छा पिता है, फिर भी लोग उसकी शिक्षा को लेकर शिकायत करते है कि वह अनपढ़ हैं।लोग बाग हमसे कहते थे कि उससे कोई बात क्यों पूछते हो। उससे आम पूछने से वह कटहल के बारे मे बताता है। उसके बच्चे भी शिकायत करते थे कि उसे कुछ नहीं आता ।

M: Having come around to that idea yourself about the film, how far did you discussed it with Johny and simply you carried on yourself?
A: शुरूआत में जॉनी से काफी चर्चा हुई। मैं उम्मीद कर रहा था कि वे स्क्रिप्ट लिखेगें। लेकिन बाद में लगा कि फिल्म मुझे ही बनानी है । फिर मैं इस पर अपने ढंग से सोचने और काम करने लगा। मैं चाहता था कि यह फिल्म और फिल्मों से कुछ हटकर हो । इसमें कितना कामयाब हो पाया यह तो फिल्म ही बता सकती है ।

M: More generally, in your approach as a filmmaker, how, working with Johny being an influence on you?
A: विषय चुनने और उसे देखने के मामले जॉनी का प्रभाव तो रहा लेकिन उनका नजरिया एक समाजशास्त्री का है। वे चाहते थे कि मैं ढेर सारी बातें इस फिल्म में आएं। यह संभव नहीं था।बहुत सी चीजें मैने शूट की लेकिन फिल्म में उनका उपयोग नहीं कर पाया। फिल्म के बारे में जॉनी की अनुभवहीनता के कारण भी ऐसा हुआ।

M: Do you think sometimes non-filmmakers don't quite understand what the purpose of the film is?
A: हॉ,शायद

M: What about generally on your work, have you influenced by any filmmaker or photographer?
A: ट्रेनिंग के दौरान हमनें बहुत सी डाक्यूमेंट्रीज देखी। उनमें से एक 'द आईलैंड ट्रीज' की शैली ने मुझे काफी प्रभावित किया था। मैं चाहता था कि इस फिल्म को उसी तर्ज में बनाउॅं। हालांकि मैं ऐसा नहीं कर पाया तैयारी की कमी की वजह से । हालांकि मैने कोशिश की। कैमरे का जहॉ तक

सवाल है, मै नहीं कह सकता कि मैं अमुक छायाकार से प्रभावित हूँ। जब मैं कोई फिल्म देखता हूँ तो जो फ्रेम मुझे अच्छा लगता है वह याद रह जाता है। और मैं बाकी भूल जाता हूँ।

M: So what comes out on screen is it necessarily, doesn't really represent, what your basic policy about film making, how is it if you didn't really want too many profiles?

A: डाक्यूमेंट्रीज में यह थोड़ा सा मुश्किल है कि पहले से तय किया हुआ फ्रेम हम इस्तेमाल कर पायें। खासकर तब जब हम बगैर योजना के लोगों के बीच जाते है उनसे बात करते है,उनकी गतिविधियों को शूट करतें हैं। ऐसे में पहले से तय किया हुआ फ्रेम बिगड़ता है, लेकिन फ्रेम से ज्यादा वह बात महत्वपूर्ण है जो सामने वाला कह रहा है।

M: How do your interest divide between fiction and documentary?

A: वैसे तो दोनों अलग-अलग चीजें है पर कभी-कभी फिक्शन के जरिये हम लोगों को बात ज्यादा अच्छे से बता सकते है। इस फिल्म में भी यह बात देखी जा सकती है। फिक्शन करते समय हर फ्रेम पहले से दिमाग में रहता है लेकिन हमने इसे व्यवस्थित ढंग से शूट नहीं किया हैं । मैने इसे डाक्यूमेंट्री की तरह शूट करना चाहा।

M: If we go back to the subject of the 'Letters and Learning' for moment, our faculty Gautam said that you take very unusual argument in that quite a strong criticism of existing literacy campaigning in it and I just wonder whether this will seem stranger to Indian audience as well as European audience?

A: मैंने जो आलोचना की हैं वह सही हैं। हालांकि मेरे दोस्त यार, मेरे समाज के लोग उसी तरह से सोचते हैं, जिस तरह से सरकार सोचती हैं। मैं भी कुछ दिन तक साक्षरता अभियान से जुडा रहा, फिर मुझे लगा कि मैं ये क्या कर रहा हुँ। मुझे लगा कि मैं इन्हें पढ़ाने के बजाए यह कहकर कुन्ठीत कर रहा हुँ कि तुम अनपढ़ हो । जल्दी ही मैं इस अभियान से अलग हो गया । मैं सोचता हुँ कि मेरे जिन दोस्तों के पास एम.ए.एम काम आदि की डिग्रियॉ है उनसे मैं किसी बात में कम नहीं हूँ। यह बात मैंने फिल्म के माध्यम से प्रदर्शित करने की कोशिश की है। बहुत से लोगों को शायद यह आलोचना पसंद न आये।

M: The film of course isn't finished yet, but looking ahead, what kind of audience would you hope would watch it?

A: मैं चाहता हुँ इसे आम जनता देखे। साक्षारता के लिए नियम कानून बनाने वाले लोग देखें । मेरी बात को जानने-समझने की कोशिश करें। जो लोग साक्षरता के नाम पर दबाव बनाते हैं, मैं सोचता हूँ कि वे इस फिल्म को देखें और समझें कि वे क्या गलत कर रहें हैं।

M: So when it finishes we really ought to try and see have shown the literacy people in some of their seminar or something, I mean your target audience, it isn't really the British student of Anthropologist, is it?

You used to be very active in the communist party; do you think that your politics have an influence in your filmmaking?

A: हॉ, मैं सोचता हूँ कि मेरे सोचने के इस ढंग ने फिल्म को प्रभावित किया होगा। मैं लंबे समय तक कम्युनिस्ट पार्टी का सदस्य रहा हुँ और अभी भी उसके कुछ जन संगठनों में काम कर रहा हूँ। मैं कम्युनिस्ट पार्टी का अंध समर्थक नहीं हूँ। मैं अपनी नजर से चीजों को देखता हूँ फिर उस पर रिएक्ट करता हूँ। फिर भी कहीं न कहीं सोचने का वह ढंग आ ही जाता हैं। जैसे इस फिल्म में मैंने तामस्कर का चित्रण किया हैं। ठीक है, वह जुआ खेलता है, इसी कमियॉ भी उसमें हैं

लेकिन मैं इसे व्यवस्था के दोष के रूप में देखता हूँ । इस पूँजीवादी समाज में जब उसकी जरूरतों और इच्छाओं की पूर्ति नहीं हो पा रही है तो वह इसके लिए आसान रास्ता ढूंढने लगता है । जहॉ तक इस फिल्म का सवाल है, मैं ऐसी फिल्म बना कर खुश हुँ। मेरे मन में यह इच्छा नहीं होती कि मै भी किसी उघोगपति या ऐसे किसी व्यक्ति पर फिल्म बनाउ जिससे मेरे विचार नहीं मिलते यह अलग बात है कि बनानी ही पड़ी तो मै फिल्म को अच्छे से अच्छे ढंग से बनाने की कोशिश करूॅगा ।

M: The film is not finished yet, but I saw you were showing Mangtu the rough cut the other day, what did he think of it?

A: वह बहुत खुश है। उसने यह फिल्म देखी है और उसे यह पसंद आयी। उसने अपने घर वालों को भी इस फिल्म के बारे में बताया ।

M: Is there anything else you want to say about it?

A: हो सकता है कि तामस्कर खुद इस फिल्म को पसंद नहीं करेगा । उसे पता था कि फिल्म में उसे किस तरह चित्रित किया जाना है। वह मुझसे कहता भी रहा कि आप मुझे इस फिल्म में इस तरह दिखाना चाहते हैं। हमनें उसे समझाने कि कोशिश की कि फिल्म तुमारे बारे में नहीं, समाज के एक व्यक्ति के बारे में है। हमारे समझाने पर वह तैयार हुआ वरना वह चाहता था कि अच्छी पैंट शर्ट पहन कर उसका शॉट आये । एक दो शॉट अपने मन से निकलवाने की कोशिश की जो अच्छे नही आये।